समाचार

निगम का आपदा बाढ़ नियंत्रण केन्द्र एलर्ट मोड पर, साकेत भवन में स्थापित है निगम का मुख्य नियंत्रण केन्द्र

(आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने मुख्य बाढ़ नियंत्रण केन्द्र का किया औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं की सतत दुरूस्तगी के दिये कड़े निर्देश, व्यवस्थाओं को किया गया चुस्त–दुरूस्त)

(सभी 07 जोन के जोन कमिश्नर अधीनस्थ स्टाफ के साथ निचली बस्तियों, जलभराव क्षेत्रों का कर रहे लगातार निरीक्षण, रखी जा रही स्थिति पर सतर्क नजर)

कोरबा 20 अगस्त 2026 – लगातार हो रही बारिश तथा हसदेव नदी एवं निगम क्षेत्र के नदी नालों के बढ़े हुये जलस्तर को देखते हुये नगर पालिक निगम कोरबा का आपदा एवं बाढ़ नियंत्रण केन्द्र एलर्ट मोड पर रखा गया है तथा वहॉ पर बाढ़ व जलभराव से बनने वाले आपात स्थिति से सुरक्षा, बचाव व राहत पहुंचाने से जुड़ी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं चुस्त–दुरूस्त की गई हैं। आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने आज निगम कार्यालय साकेत में स्थापित मुख्य बाढ़ नियंत्रण केन्द्र का औचक निरीक्षण किया, व्यवस्थाओं को देखा तथा समस्त व्यवस्थाओं को निरंतर चुस्त–दुरूस्त रखने के निर्देश बाढ़ नियंत्रण कार्यप्रभारी को दिये।

महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत एवं आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय के मार्गदर्शन में नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा अतिवृष्टि बाढ़ व निचली बस्तियों में जलभराव आदि की स्थिति में बचाव व राहत से जुड़ी व्यवस्थाएं व आवश्यक तैयारियॉ मानसून आगमन के साथ ही सुनिश्चित कराई गई थी। वर्तमान में कई दिनों से

कोरबा जिले तथा आसपास के क्षेत्रों में हो रही लगातार बारिश के परिणाम स्वरूप बांगो बांध व हसदेव नदी का जलस्तर लगातार बढ़ा है, हसदेव नदी के गेट भी खोलने पड़े हैं तथा निगम क्षेत्र में स्थित नदी–नालों का जलस्तर भी बढ़ा है, जिसके कारण नदी–नालों के किनारे बसी बस्तियों व निचले क्षेत्रों में जलभराव की स्थितियॉ निर्मित होने को देखते हुये नगर पालिक निगम कोरबा का मुख्य बाढ़ नियंत्रण केन्द्र एलर्ट मोड पर रखा गया है, निगम के मुख्य कार्यालय साकेत भवन में स्थापित मुख्य नियंत्रण केन्द्र में आवश्यक कर्मचारियों व मजदूर आदि की उपस्थित सुनिश्चित कराते हुये बचाव, सुरक्षा व राहत से जुड़ी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं चुस्त–दुरूस्त रखने हेतु आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने नियंत्रण कक्ष का औचक निरीक्षण किया। उन्होने बाढ़ नियंत्रण कार्यप्रभारी व अधीक्षण अभियंता श्री भूषण उरांव को नियंत्रण कक्ष में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं लगातार सुनिश्चित कराने एवं व्यवस्थाओं की सतत मानीटरिंग किये जाने के निर्देश दिये, आयुक्त श्री पाण्डेय के निर्देश पर इन व्यवस्थाओं को तत्काल दुरूस्त भी किया गया है।

03 पालियों में कर्मचारियों की तैनाती – साकेत भवन में स्थापित मुख्य बाढ़ नियंत्रण केन्द्र में 03 पालियों में 24 घंटे कर्मचारियों की तैनाती की गई है, नियंत्रण कक्ष तक सूचनाओं के आदान–प्रदान हेतु टेलीफोन स्थापित है, जिसका नम्बर 226672 है, बाढ़ व जल भराव सहित किसी भी प्रकाार की आपदा सूचना उक्त नम्बर पर दी जा सकती है। बाढ़ नियंत्रण के प्रभारी अधिकारी अधीक्षण अभिंयता श्री भूषण उरांव हैं, जिनका मोबाईल नम्बर 97520–94139 है।

जोनवार भी की गई है, बाढ़ नियंत्रण व्यवस्था, नियुक्त हैं नियंत्रण उप प्रभारी – आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने बाढ़ नियंत्रण, प्राकृतिक आपदा आदि से बचाव, सुरक्षा व राहत से जुड़े कार्यो हेतु जोनवार व्यवस्था करते हुये बाढ़ नियंत्रण उप प्रभारी नियुक्त किये हैं, कोरबा शहर जोन हेतु सहायक अभियंता मनीष यादव मो.नं. 97705–69975, टीपीनगर जोन हेतु सहायक अभियंता सोमनाथ डेहरे मो.न. 82259–77036, कोसाबाड़ी जोन हेतु सहायक अभियंता पीयूष राजपूत मो.नं. 94241–41063, पं.रविशंकर शुक्लनगर जोन हेतु सहायक अभियंता मोतीलाल बरेठ मो.नं. 77730–07167, बालको जोन हेतु सहायक अभियंता आकाश अग्रवाल मो.नं. 97520–94225, दर्री जोन हेतु सहायक अभियंता यशवंत जोगी मो.नं. 83050–87567 तथा सर्वमंगलानगर जोन हेतु सहायक अभियंता रमेश सूर्यवंशी मो.नं. 89629–85823 बाढ़ नियंत्रण कार्य के उप प्रभारी हैं।

निचली बस्तियों, जलभराव क्षेत्रों पर सतर्क नजर – आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय शहर की निचली बस्तियों व संभावित जलभराव क्षेत्रों का लगातार नियंमित दौरा कर स्थिति का जायजा ले रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर निगम के 07 जोन के जोन कमिश्नर्स अपने अधीनस्थ स्टाफ व मैदानी अमले के साथ अपने–अपने क्षेत्रों में स्थित निचली बस्तियों, नदी के किनारे बसे मोहल्लों व संभावित जलभराव क्षेत्रों का भ्रमण कर स्थिति का निरीक्षण कर रहे हैं, उनके द्वारा लोगों को समझाईश दी जा रही है कि यदि घरों व बस्तियों में जलभराव की स्थिति बनती दिखे तो वे तत्काल इसकी सूचना दें तथा निगम द्वारा स्थापित सेल्टर केन्द्रों में पहुंचे, जहॉ पर उनके रहने व खाने–पीने की सम्पूर्ण व्यवस्था की जायेगी, इसके साथ ही निगम द्वारा जलस्तर बढ़ने पर इन निचली बस्तियों में मुनादी भी कराई जा रही है।

निगम क्षेत्र में बनाये गये हैं 11 सेल्टर केन्द्र – आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय द्वारा पूर्व में ही आदेश जारी कर जलभराव से प्रभावित परिवारों को राहत देने व उनके रहने–खाने की समुचित व्यवस्था के मद्देनजर 11 सेल्टर केन्द्र बनाये गये हैं, इन सेल्टर केन्द्रों में प्राथ.आ.जा.क.सीतामणी, पूर्व.मा.शा.सीतामणी, पूर्व.मा.शा.आ.जा.क. मिशन रोड, प्रा.मा.शा.आ.जा.क.रानी गेट के पास, प्रा.शा.लालघाट, अंबेडकर स्कूल, प्रा.शा.जोगियाडेरा, कबीर भवन, सुमेधा स्कूल, एसईसीएल स्कूल, शा.प्रा.शाला प्रेमनगर आदि शामिल हैं, इसके अतिरिक्त आवश्यकता पडने पर प्रियदर्शनी इंदिरा स्टेडियम को मुख्य सेल्टर केन्द्र के रूप में उपयोग किया जा सकेगा। आयुक्त श्री पाण्डेय ने निगम के समस्त जोन कमिश्नरों व उप जोन प्रभारियों को निर्देश दिये है कि वे अपने–अपने क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति पर सतर्क नजर रखें तथा यदि कहीं पर भी जलभराव की स्थिति पैदा होती है तो तत्काल बचाव व राहत कार्य प्रारंभ कर प्रभावित परिवारों को इन सेल्टर केन्द्रों में पहुंचाये तथा वहॉ पर उनके रहने खाने सहित अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएं त्वरित रूप से सुनिश्चित करायें।